केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 210 सोमवार 24 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

24 को आएंगी सिद्धार्थ विवि की कुलपति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला पीजी कॉलेज के संस्थापक पं. स्व. शिव हर्ष उपाध्याय की स्मृति में मनाए जा रहे शैक्षिक सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 24 फरवरी को होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कविता शाह होंगी। कॉलेज के समाजशास्त्री डॉ. रघुवर पांडेय ने बताया कि महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो सुनीता तिवारी के मार्गदर्शन में कुलपति के आगमन पर महाविद्यालय में विशेष तैयारी की जा रही है।

गोरखपुर–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें निरस्त

संवाददाता–गोरखपुर। रेलवे प्रशासन की ओर से अपरिहार्य परिचालनिक कारणों से कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया है। इन ट्रेनों में गोरखपुर–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें शामिल हैं। यह जानकारी सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने दी। निरस्तीकरण गोरखपुर से 25 फरवरी को चलने वाली 12597 गोरखपुर–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 26 फरवरी को चलने वाली 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 24 एवं 27 फरवरी को चलने वाली 15004 गोरखपुर–कानपुर अनवरगंज चौरी चौरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। कानपुर अनवरगंज से 25 एवं 28 फरवरी को चलने वाली 15003 कानपुर अनवरगंज–गोरखपुर चौरी चौरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। छपरा से 24 से 28 फरवरी तक चलने वाली 15111 छपरा–वाराणसी सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। वाराणसी सिटी से 24 से 28 फरवरी तक चलने वाली 15112 वाराणसी सिटी–छपरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। गोरखपुर कैंट से 24 से 28 फरवरी तक चलने वाली 15129 गोरखपुर कैंट–वाराणसी सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

वाराणसी सिटी से 24 से 28 फरवरी तक चलने वाली 15130 वाराणसी सिटी–गोरखपुर कैंट एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। छपरा से 25 फरवरी को चलने वाली 22583 छपरा–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 27 फरवरी को चलने वाली 22584 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–छपरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। सीवान से 23 से 28 फरवरी तक चलने वाली 55041 सीवान–गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। गोरखपुर कैंट से 23 से 28 फरवरी तक चलने वाली 55042 गोरखपुर कैंट–सीवान सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। समस्तीपुर से 23 से 28 फरवरी तक चलने वाली 55121 समस्तीपुर–सीवान सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। सीवान से 23 से 28 फरवरी तक चलने वाली 55122 सीवान–समस्तीपुर सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

सहजनवा थाना परिसर में लगी आग बाइकें जली

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा थाने के पीछे परिसर में रविवार को आग लग गई। इससे विभिन्न केस में वहां रखीं बाइकें जलने लगीं। पीछे धुआं देखकर थाने मेंमौजूद फरियादियों ने शोर मचाया। आग लगने की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मियों ने उस पर काबू पा लिया। जानकारी के मुताबिक, थाना परिसर में दुर्घटना औरर केस दर्ज होने के बाद सैकड़ों दो व चार पहिया वाहन खड़े रहते है। रविवार को पीछे खड़ी बाइक में अचानक आग लग गई। धुआं देखकर थाने में अफरातफरी मच गई। थाने पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। वाहनों में आग की सूचना पर तत्काल पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे और बाल्टी में पानी लेकर आग बुझाई। कुछ देर में आब पर काबू पा लिया गया। आग फैलती तो काफी नुकसान हो सकता था।

पीएम मोदी ने किया कैंसर अस्पताल का शिलान्यास अब भजन और भोजन के साथ मिलेगा निरोगी जीवन

भोपाल (आभा)। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को दोपहर बागेश्वर धाम पहुंचे और बालाजी मंदिर में पूजा की। इसके बाद पीएम मोदी ने कैंसर हॉस्पिटल की आधारशिला रखी। इस दौरान पीएम मोदी के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और बागेश्वर धाम के महंथ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मौजूद रहे। इस मौके पर पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस को निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने कहा कि नेताओं की एक जमात धर्म का मजाक उड़ाती है, उसका उपहास करती है, लोगों को बांटने में लगी हुई है और कई बार विदेशी ताकतें भी ऐसे नेताओं का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करती हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सदियों से हिंदू धर्म से नफरत करने वाले लोग रहे हैं। गुलामी की मानसिकता में डूबे इस तरह के लोग हमारी आस्था, विश्वास, मंदिरों, धर्म, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। ऐसे लोग हमारे त्योहारों, परंपराओं और रीति–रिवाजों का दुरुपयोग कर के हमारे धर्म और संस्कृति पर हमला करने का दुस्साहस करते हैं। उनका एजेंडा हमारे समाज को बांटना और इसकी एकता को तोड़ना है।

पीएम मोदी ने बागेश्वर धाम के महंथ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे समय जब हमारे समाज को बांटना और इसकी एकता को तोड़ना नेताओं की एक जमात का एजेंडा बन गया है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देश में एकता के मंत्र से लोगों को अवगत करा रहे हैं। वह लंबे समय से यह काम कर रहे हैं। अब वह समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प पर पहुंचे हैं। यह कैंसर संस्थान बनाने की योजना है। यानी अब यहां बागेश्वर धाम में आपको भजन, भोजन और स्वस्थ जीवन का आशीर्वाद मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल के बजट में कैंसर से लड़ने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। मोदी ने फैसला किया है कि कैंसर की दवाइयां सस्ती की जाएंगी। अगले 3 वर्षों में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे। जब देश ने मुझे सेवा का अवसर दिया, तो मैंने श्सबका साथ, सबका विकासश के मंत्र को सरकार का संकल्प बना लिया था। अब श्सबका साथ, सबका विकासश के इस संकल्प का भी एक बड़ा आधार है– 'सबका इलाज, सबको आरोग्य'

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम. ये एक ओर अध्यात्म तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चेतना का केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने ही हमें आयुर्वेद और योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है। पीएम मोदी ने महाकुंभ के भव्य आयोजन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। यदि इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो यह एकता का महाकुंभ नजर आता है। इस एकता के महाकुंभ में हजारों डॉक्टर्स और स्वयंसेवक समर्पित और सेवाभाव से लगे हुए हैं। इसमें पुलिसकर्मियों ने पूरी नम्रता के साथ एक साधक की तरह काम किया है।

वाराणसी में रोपवे के निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

वाराणसी (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में बन रहे रोपवे के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने यह आदेश तीन महिलाओं की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया कि उनकी जमीन अधिग्रहण किए बगैर ही रोपवे का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और संजय करोल की पीठ ने इस मामले में सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद संबंधित प्राधिकार को रोपवे के निर्माण को यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। दूसरे शब्दों में निर्माण कार्य जिस स्थिति में है, उसी स्थिति में रहे और आगे कोई निर्माण न हो। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही, मामले में नोटिस जारी कर संबंधित पक्षकारों को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। पीठ ने मामले की सुनवाई अप्रैल 2025 तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता रोहित अमित स्थालेकर के जरिए दाखिल मनसा सिंह सहित तीन महिलाओं की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल अपील पर यह अंतरिम आदेश पारित किया। दरअसल, अपीलकर्ताओं ने पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि संबंधित प्राधिकरण ने उनकी फ्री होल्ड संपत्ति में अवैध रूप से तोड़फोड़ की। इसके साथ ही कहा कि न तो अपीलकर्ता की जमीन का अधिग्रहण किया गया और न ही किसी तरह का मुआवजा दिया गया, बावजूद इसके रोपवे के निर्माण कार्य उनकी संपत्ति पर शुरू कर दिया। इस मामले में हाईकोर्ट ने किसी तरह का अंतरिम आदेश या कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि हाईकोर्ट ने संबंधित पक्षों उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। किसी तरह का अंतरिम राहत नहीं मिलने के बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की थी। अपील पर विचार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ नोटिस जारी किया बल्कि यथास्थिति बनाए रखने का भी आदेश दिया। वाराणसी में बन रहा रोपवे देश का अपने तरह का इकलौता प्रोजेक्ट है। रोपवे के रूप में अर्बन ट्रांसपोर्ट की यह शुरुआत है। अभी तक देश में कहीं भी सार्वजनिक परिवहन के लिए रोपवे का इस्तेमाल नहीं होता है। यह बनारस से सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। इसके पहले चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है। दूसरे चरण के तहत जल्द ही गोदौलिया स्टेशन का निर्माण शुरू होना है। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर और प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट के पास गोदौलिया तक रोपवे लेकर जाएगा। इसके एलाइनमेंट का ट्रायल चल रहा था। माना जा रहा था कि अप्रैल–मई से यात्री इस पर सफर करना शुरू कर देंगे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुरुआत में देरी तय है। रोपवे का निर्माण स्विट्जरलैंड की कंपनी के देखरेख में किया जा रहा है। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक 4 किलोमीटर लंबा मार्ग लोग 16 मिनट में तय कर लेंगे। इसके लिए पांच स्टेशन और 29 टावर लगाए जा रहे हैं। इसमें कुल 150 केबल कारें संचालित होंगी। इसमें एक केबल कार में 10 पैसेंजर सवार होंगे और 1 घंटे में दोनों साइड से 600 ट्रालियों का संचालन किया जाएगा। इस तरह 6000 यात्री एक घंटे में सफर तय कर संकेगे। इससे लोगों को रोपने में बैठने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभी आटो से इस 4 किलोमीटर के सफर को तय करने में 40 से 45 मिनट लगता है।

दिनेश चन्द्र पाण्डेय को पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतर योगदान, दिनेश चन्द्र पाण्डेय को सच्ची श्रद्धांजलि- डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (रजि.) की बस्ती शाखा की ओर प्रेस क्लब सभागार में प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रकाश गौड़ के आवाह्न पर भारतीय बस्ती समूह के संपादक वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय को साथियों ने श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पत्रकारों ने दिनेश चन्द्र पाण्डेय को याद करते हुये उनके योगदान को सराहा और सभी के लिये प्रेरणास्रोत बताया।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा पाण्डेय जी का समूचा जीवन पत्रकारिता को समर्पित रहा। अधिवक्ता होते हुये भी उन्होने पत्रकारिता जैसा चुनौतीपूर्ण क्षेत्र चुना और आखिरी सांस तक आदर्शों पर कायम रहे। वे हमेशा अपने साथियों का मनोबल बढ़ाते थे और बेहतर कार्य करने को प्रेरित करते रहे। पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतर योगदान उनके लिये सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शोकसभा में अजय कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र यादव "जीत",राकेश गिरी, धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, बबुन्दर यादव, रितिक कुमार, अरूण कुमार, देवेन्द्र पाण्डेय, राकेश त्रिपाठी, राजेश पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, अमर सोनी, अनिल कुमार पाण्डेय, लवकुश सिंह, राजेन्द्र उपाध्याय, लवकुश सिंह, मोहम्मद टीपू, सुमित जायसवाल, बलराम चौबे, अब्दुल कलाम, आकाश शुक्ल, शिवम गुप्ता, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, रामविलास, आशीष चौधरी,कसौधन, श्री प्रकाश गुप्ता, विनोद कुमार, कर्मचन्द यादव, मो. शकील, सरताज आलम, सूरज कुमार यादव, सन्तोष कुमार, मो. हसन, अखिलेश यादव, रमाकान्त मित्रा, मनोज कुमार पाण्डेय, वकील अहमद सिद्दीकी, तबरेज आलम, राम प्रीत वरूण, सूरज सिंह, महेश तिवारी, ओंकार चतुर्वेदी, डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग', कपीश मिश्रा, मो. कलीम, फैय्याज अहमद, मोहम्मद आलम, महेन्द्र प्रताप सिंह, इंद्र भूषन, अनूप मिश्र आदि शामिल रहे।

गीडा इलाके में ठेकेदार ने की खुदकुशी, साथियों पर आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा इलाके के मल्हीपुर में फंदे से लटककर एक युवक ने खुदकुशी कर ली। वह ठकेदारी का काम करता था। युवक की 31 साल के पप्पू गुप्ता पुत्र रामजीत गुप्ता के रूप में हुई। घटना का पता तब चला जब बड़ा भाई बबलू गुप्ता घर पहुंचा और देखा कि पप्पू का कमरा अंदर से बंद है। कई बार आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला, तो उसने दरवाजा तोड़ा और अंदर का नजारा देख दंग रह गया। पप्पू गुप्ता का शव पंखे से लटका हुआ था। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल परिजन ने पुलिस को लिखित तहरीर नहीं दी है, लेकिन मृतक के भाई बबलू गुप्ता ने गांव के तीन लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मूल रूप से बालाघाट के बहादुरपुर के रहने वाले पप्पू गुप्ता का मुख्य काम आरसीसी ढालने का था और वह खुद की मशीन भी चलाता था। पुलिस ने मौके से मृतक का मोबाइल कब्जे में ले लिया है, जिससे कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पप्पू के भाई बबलू गुप्ता ने कहा कि जबसे पप्पू ने अपना खुद का काम शुरू किया, तब से उसका उसके साथ काम करने वालों से विवाद बढ़ गया था। उसे लगातार धमकियां दी जा रही थीं, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था। बबलू ने आरोप लगाया कि पप्पू की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सोची–समझी साजिश का नतीजा हो सकती है। पप्पू गुप्ता की शादी 2021 में संतकबीर नगर के जयरामपट्टी गांव की सरोज देवी से हुई थी। उसकी एक आठ माह की बेटी भी है। परिवार इस घटना से सदमे में है।

शादी में बाधक बनने पर प्रेमी को मार डाला

रामपुर (आभा)। शादी में बाधा बन रहे प्रेमी यशपाल को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमिका के मंगेतर सूरजपाल उर्फ छोटू ने अपने दोस्त मोहित और जितेंद्र के साथ हत्या की साजिश रच डाली। 19 फरवरी की रात को प्रेमिका के मंगेतर सूरजपाल उर्फ छोटू ने यशपाल को फोन कर बुला लिया और मामले का समझौता करने को कहा। इसी बात का फायदा उठाते हुए प्रेमिका के मंगेतर सूरजपाल उर्फ छोटू इसके दोस्त मोहित और दूसरे दोस्त जितेंद्र ने यशपाल के चाकू से गोदकर हत्या करदी। पुलिस ने पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए हत्या करने वाले मुख्य दो हत्यारोपी समेत पांच को जेल भेज दिया है। जबकि प्रेमिका को बाल सुधार गृह भेजा जाएगा। हत्या में शामिल तीसरा दोस्त मोहित अभी फरार चल रहा है।

महाशिवरात्रि से पहले जाम से निपट के लिए पहुचे 6 और आईपीएस अधिकारी

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में महाशिवरात्रि से पहले एक बार फिर महाजाम की स्थिति देखने को मिल रही है। इससे निपटने के लिए योगी सरकार ने छह और आईपीएस अफसरों को ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए प्रयागराज में उतार दिया है। यह सभी अफसर प्रयागराज आने वाले मार्गों की व्यवस्था देखेंगे। सभी को अलग अलग मार्गों पर तैनात किया गया है। इन अफसरों में एक एडीजी और पांच आईजी स्तर के अफसर हैं। सरकार ने एडीजी पीएसी सुजीत पांडे, आईजी चंद्रप्रकाश, प्रीतेंद्र सिंह, राजेश मोदक और मंजिल सैनी को ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अलग अलग मार्गों की कमान सौंपी हैं।

प्रयागराज रेंज में तैनात रहे 2004 बैच के आईपीएस चंद्रप्रकाश को प्रयागराज–वाराणसी मार्ग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डीजीपी मुख्यालय से अटैच आईजी प्रीतिंदर सिंह को प्रयागराज–रीवा राजमार्ग की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने का निर्देश मिला है। 2003 बैच के आईपीएस आईजी राजेश मोदक को शहर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए तैनात किया गया है। वह अभी आईजी सीबीसीआईडी के पद पर तैनात हैं। 2005 बैच की अफसर आईजी विजिलेंस मंजिल सैनी को लखनऊ के साथ अयोध्या–प्रतापगढ़ मार्ग की ट्रैफिक व्यवस्था देखेंगी।

महाकुंभ आने वाले मार्गों पर भीषण जाम लगा रहा। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर अंतिम स्नान पर उम्मीद से ज्यादा भीड़ आ सकती है। इसी को देखते हुए अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शनिवार को हाईवे से लेकर शहर और संगम की ओर देर रात तक वाहन रेंगते रहे।

शहर के अलोपीबाग चुंगी, शास्त्री ब्रिज, नैनी नया पुल, प्रयागराज जंक्शन और नैनी व झूंसी रेलवे स्टेशन मार्ग के अलावा बालसन चौराहा, मेडिकल कॉलेज मार्ग, सीएमपी डिग्री कॉलेज मार्ग, लेप्रोसी चौराहा, बांगड़ धर्मशाला, बैरहना चौराहे पर जाम के कारण पैदल निकलना मुश्किल हो रहा था। एंबुलेंस तक को नहीं मिला रास्ता भीषण जाम की वजह श्रद्धालु व शहरवासी ही नहीं, गंभीर मरीजों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

महर्षि दयानन्द ने लोगों को अंधकार से प्रकाश दिशा में आगे बढ़ाया, उनके विचारों से क्रांतिकारी हुए पैदा –ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फाल्गुन कृष्ण दशमी को गुजरात के मोरवी में टंकारा नामक गांव में जन्मे महर्षि दयानंद सरस्वती ने दुनिया के लोगों को वेदों की ओर लौटो का नारा ही नहीं दिया बल्कि बालक बालिकाओं के लिए अलग अलग गुरुकुल और डी ए वी विद्यालयों की एक लम्बी श्रृंखला खड़ी करके उसके अवसर भी उपलब्ध कराए। उनके विचारों से प्रभावित होकर अनेक क्रांतिकारी देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दिए। यह बातें आर्य समाज नई बाजार बस्ती में आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती के अवसर पर यज्ञ कराते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने कही। उन्होंने बताया कि जब देश अंग्रेजों का अत्याचार चरम पर था तो

उस समय वे निर्भीकता से स्वराज के लिए आमजनमानस को जगा रहे थे। उन्होंने लोगों को बताया कि अन्याय करना पाप है और सहना महापाप है उनके इस विचार से प्रभावित होकर अनेक क्रांतिकारी देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तैयार हो गए। इस अवसर पर अजीत कुमार पाण्डेय जिला प्रभारी आर्य वीर दल बस्ती ने बताया कि स्वामी जी ने गोरक्षा, विधवा विवाह, अनमेल बाल विवाह को रोकने और अंधविश्वास, जादू टोने, पाखण्ड मद्यपान आदि के उन्मूलन के लिए देश भर में घूम घूमकर प्रचार और शास्त्रार्थ कर लोगों को वेदों और वैदिक संस्कारों की ओर लौटने पर विवश कर दिया जिससे भारत का वास्तविक स्वरूप सूर्य बनकर प्रकाशमान हुआ। ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में आर्य समाज दो सौ से अधिक आर्यवीरों को प्रशिक्षित करेगा और उन्हें ऋषि जीवनी और सत्यार्थ प्रकाश भी देगा जो देश के लिए एक आदर्श नागरिक सिद्ध होंगे। इसके अलावा वैदिक संस्कारों के प्रचार प्रसार के लिए जिले के पुरोहितों को दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्मिलित लोगों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए महर्षि दयानंद के विचारों का भारत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नितीश कुमार, शिव श्याम, महिमा आर्य, राधा देवी पुनीत राज, परी, रिमझिम, रोली, प्रिया, सौम्या, राम मोहन पाल, अरविन्द साहू सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जयन्ती पर याद किये गये संत गाडगे, भारत रत्न देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर. के. आरतियन के संयोजन में महान संत गाडगे के जयन्ती अवसर पर उन्हें याद किया गया। कटरा चौराहा स्थित संत गाडगे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोगों ने प्रेस क्लब में सभा कर उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। मोर्चा जिलाध्यक्ष आर. के. आरतियन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. आरके आनंद ने कहा गाडगे अंधविश्वास खिलाफ संघर्ष करने वाले संत थे।

मानवता ही उनके लिए सबसे बड़ा धर्म था। समाज के लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। मजदूरों और किसानों के लिए उनकी सोच हमेशा सकारात्मक रहेगी। सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज को मरणोपरान्त भारत रत्न दिया जाय जिससे नई पीढी उनके योगदान से परिचित होने के साथ ही प्रेरणा ले। बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि संत गाडगे जैसे ऐसे महान संत के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिये।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल महासचिव ठाकुर प्रेम नंदवंशी, बुद्धप्रिय पासवान ने कहा गाडगे एक संत और समाज सुधारक थे. व्यापक रूप से महाराष्ट्र के सबसे बड़े समाज सुधारकों में से एक के रूप में माना जाता है, उन्होंने कई सुधार किए हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में वामसेफ, बहुजन मुक्ति पार्टी, भारतीय विद्यार्थी मोर्चा, राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा, बुद्धिष्ट इंटरनेशनल नेटवर्क, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित कई संगठनों का सहयोग रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरके गौतम ने की। चन्द्रप्रकाश गौतम, रंगई प्रसाद, भन्ते प्रज्ञानंद, अमरजीत आर्या, डा. फिरफाकत अली, रामसुमेर यादव, सरिता भारती, दयाशंकर, राजेन्द्र कुमार, मो. आरिफ, रामानंद कनौजिया, रामनरेश चौधरी, रामसमुझ, विनय कुमार, राजेश, बुद्धेश राना, दिनेश चौधरी, रामअवतार, सतेन्द्र सहाय, आत्मा प्रसाद आदि उपस्थित थे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 फरवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

स्वास्थ्य सेवा की पहल

देश में अस्सी प्रतिशत मौतों के लिये जिम्मेदार गैर संक्रामक रोगों के खिलाफ केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बड़ी मुहिम शुरू की है। इसके अंतर्गत पूरे देश में तीस साल से अधिक उम्र वाले करीब नब्बे करोड़ लोगों की शुगर, बीपी और कैंसर की जांच होगी। गत गुरुवार को शुरू हुई यह देशव्यापी मुहिम 31 मार्च तक चलेगी। हालांकि, फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता,आशा वर्कर,एएनएम आदि घर–घर इस अभियान के लिये संपर्क करेंगे, लेकिन जिन तक संपर्क न हो पाए वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अपना डेटा राष्ट्रीय पोर्टल तक पहुंचा सकते हैं। दरअसल, वर्ष 2021 के आंकड़ों के अनुसार देश में तीस व उससे अधिक उम्र वालों की संख्या करीब 64 फीसदी है। जिन्हें इस अभियान के केंद्र में रखा गया है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि देश में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईसीएमआर के अनुसार देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों का प्रतिशत कुल रोगों से मरने वालों में अस्सी प्रतिशत है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 से 2030 के बीच गैर संक्रामक रोगों से 305 लाख करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय की इस मुहिम का मकसद है कि गैर संक्रामक रोगों व मुंह, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की स्थिति का पता लगाया जाए। जिससे समय रहते इन रोगों के नियंत्रण के लिये नीति तैयार की जा सके। उम्मीद की जा रही है कि इस अभियान के सिरे चढ़ने के बाद स्वास्थ्य सेवा की लागत कम की जा सकेगी। इस अभियान की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी और स्क्रीनिंग, उपचार व उसके फॉलोअप के आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय के पोर्टल पर अपडेट किए जा सकेंगे। दरअसल,भारत में कैंसर व अन्य गैर संक्रामक रोगों का पता समय रहते नहीं चल पाता। जिसके कारण उपचार मिलने के बावजूद इनके नुकसान से बचा नहीं जा सकता है। निश्चित रूप से इस अभियान से लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आएगी।

दरअसल, हाल के वर्षों में खानपान व जीवन शैली में बदलाव से गैर संक्रामक रोगों की आधारभूमि तैयार हुई है। रोग का समय से पता न चल पाने के कारण जीवनभर इन रोगों का उपचार चलता रहता है। महंगी होती चिकित्सा प्रणाली के चलते तमाम परिवार गरीबी के दलदल में फंसकर रह जाते हैं। विडंबना यह है कि तंबाकू के सेवन से कैंसर के मामले बढ़े हैं। करीब 44 फीसदी पुरुष व करीब सात फीसदी महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं। वहीं पुरुषों में मोटापा 12 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी हुआ है तो महिलाओं में यह बारह फीसदी से बढ़कर बीस फीसदी हुआ है। जिसका मूल कारण शारीरिक सक्रियता में कमी भी है। जिसमें 13 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि देश में गैर संक्रामक रोगों से होने वाली मौतों में 45 फीसदी भूमिका हृदय रोगों, स्ट्रोक व उच्च रक्तचाप की है। वहीं बाइस फीसदी मौतें सांस संबंधी बीमारियों के चलते होती हैं। वहीं दूसरी ओर बारह फीसदी मौतें कैंसर से व तीन प्रतिशत मौतें मधुमेह से होती हैं। हालांकि, देश के तीस साल से अधिक उम्र के नब्बे करोड़ लोगों का आंकड़ा जुटाना कठिन कार्य है, लेकिन कोरोना काल में हमने वैक्सीनेशन अभियान के जरिये दुनिया में एक मिसाल कायम की है।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि आंकड़े जुटाने की मुहिम से देश मे स्वास्थ्य के प्रति चेतना जाग्रत होगी। लोग सेहत के प्रति जागरूक होंगे। यह हकीकत है कि लोग यदि खानपान में संयम बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग–व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो कई रोगों को भगा सकते हैं। वैसे भी यदि समय रहते इन गैर संक्रामक रोगों का पता चलता है तो समय रहते इनका उपचार भी संभव है। निश्चित रूप से हम इलाज पर होने वाले बड़े खर्च को कम कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

तमिलनाडु में हिंदी–विरोध की राजनीति का नया दौर

–प्रमोद जोशी–

हिंदी की पढ़ाई को लेकर तमिलनाडु में एक बार फिर से तलवारें खिंचती दिखाई पड़ रही हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को एक विशाल विरोध–प्रदर्शन में चेतावनी दी कि हिंदी थोपने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ एक और विद्रोह जन्म ले सकता है। उनके पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यों पर शिक्षा–निधि के मार्फत दबाव बनाने का आरोप लगाया था। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में द्रमुक ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन–भाषा फॉर्मूले की आलोचना करके माहौल को गर्मा दिया है।

तमिलनाडु में भाषा केवल शिक्षा या संस्कृति का विषय नहीं है। द्रविड़–राजनीति ने इसके सहारे ही सफलता हासिल की है। द्रविड़ आंदोलन, जिसने डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को जन्म दिया, भाषाई आत्मनिर्णय के सिद्धांत पर आधारित था। राष्ट्रीय आंदोलन के कारण इस राज्य में भी कांग्रेस, मुख्यधारा की पार्टी थी, पर भाषा पर केंद्रित द्रविड़ आंदोलन ने राज्य से कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया और आज तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के सहारे है। इस राज्य में भाषा–विवाद लगातार उठते रहते हैं। पिछले साल संसदीय शीत–सत्र में 5 दिसंबर को विरोधी दलों के सदस्यों ने 'भारतीय न्याय संहिता' के हिंदी और संस्कृत नामों के विरोध में सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर 'हिंदी इंपोजीशन' का आरोप लगाया। एक दशक पहले तक ऐसे आरोप आमतौर पर द्रमुक–अद्रमुक और दक्षिण भारतीय सदस्य लगाते थे। अब ऐसे आरोप लगाने वालों में कांग्रेस पार्टी भी शामिल है।

अप्रैल, 2022 में गृहमंत्री अमित शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की 37वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हिंदी को पूरे देश में स्थानीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी के विकल्प के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि सरकार का कामकाज हिंदी में हो। उनके इस बयान के पीछे 'हिंदी–विरोधियों को साम्राज्यवाद की गंध आई। शाह ने कहा कि हिंदी को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के प्रयास होने चाहिए। जब विभिन्न राज्यों के नागरिक संवाद करते हैं, तो 'यह भारत की भाषा में होना चाहिए।'

उनके इस वक्तव्य के अलावा, नई शिक्षा–नीति के अंतर्गत देशभर के स्कूलों में कक्षा 10 तक परोक्ष रूप में हिंदी को अनिवार्य बनाने की केंद्र सरकार की योजना पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। 10 अप्रैल को, तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम ने केंद्र सरकार को हिंदी थोपने के किसी भी नए प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी और लोगों से इसका विरोध करने का आह्वान किया। पार्टी के मुखपत्र मुरासोली में लिखा गया, यह कदम देश की अखंडता को नष्ट कर देगा। भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण में प्रवेश तो मिल गया है, पर तमिलनाडु में वह अभी हाशिए पर है। पिछले कुछ समय से वह अपने प्रमुख द्रमुख अन्नामलाई के जरिये राज्य के एक तबके को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। क्या इस राज्य में हिंदी–समर्थक पार्टी के सफल होने की कोई गुंजाइश है? राज्य में हिंदी की पढ़ाई को उत्सुक लोग भी हैं, जिन्हें लगता है कि रोजगार के लिए हिंदी का ज्ञान भी जरूरी है। भाजपा कार्यकर्ता अब मार्च से मई तक एक सर्वेक्षण करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें वे तीन–भाषा नीति पर तमिलनाडु भर के परिवारों से बातचीत करेंगे और अपने निष्कर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंपेंगे।

राज्य सरकार हिंदी के पठन–पाठन के दरवाजे बंद रखना चाहती है। उसे लगता है कि एक बार दरवाजे खुले तो राजनीति का रंग–रूप बदल जाएगा। बहरहाल तमिल–बगावत के स्वर एनईपी के तहत तीन–भाषा सूत्र से जुड़ी शर्तों और समग्र–शिक्षा कार्यक्रम लिए केंद्रीय धन जारी करने से जुड़े मतभेदों के कारण सुनाई पड़े हैं। एनईपी के विरोधियों का तर्क है कि यह नीति परोक्ष रूप से क्षेत्रीय भाषाओं की तुलना में हिंदी और संस्कृत को बढ़ावा देती है। केंद्र सरकार ने राज्य को 2,152 करोड़ रुपयों का आवंटन इस आधार पर रोक रखा है, क्योंकि उसने 'पीएम श्री स्कूलों' और एनईपी को स्वीकार नहीं किया है।

डीएमके और उसके सहयोगी दलों के चेन्नई में आयोजित विरोध प्रदर्शन में उदयनिधि ने कहा, हम न तो भीख मांग रहे हैं और न आपकी निजी संपत्ति। यह हमारा वैध अधिकार है। संविधान का कोई भी अनुच्छेद तीन–भाषा की बात नहीं करता है। तमिलनाडु इस फॉर्मूले को कभी स्वीकार नहीं करेगा। राज्य में हिंदी के प्रवेश से तमिल का विलोपन हो जाएगा जैसा राजस्थानी, भोजपुरी और उत्तर भारत की अन्य भाषाओं के साथ हुआ है।

हाल में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि नई शिक्षा–नीति के अनुपालन का फंड जारी करने में तीन–भाषा सूत्र लागू करने की शर्त होगी। जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह से लागू नहीं करेगा, तब तक समग्र शिक्षा निधि जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, नई शिक्षा–नीति में हिंदी की अनिवार्यता नहीं है। तमिलनाडु के छात्र चाहें, तो तमिल और अंग्रेजी के अलावा कोई भी तीसरी भारतीय–भाषा पढ़ सकते हैं। नई शिक्षा नीति, हिंदी नहीं थोप रही है, बल्कि छात्रों को एक अतिरिक्त भाषा सीखने का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने सवाल किया है कि अन्य राज्यों के विपरीत तमिलनाडु तीन–भाषा फॉर्मूले का विरोध क्यों कर रहा है? तमिलनाडु में हिंदी–विरोध का इतिहास करीब एक सदी बहुत पुराना है, जो 1930 के दशक से शुरू हुआ था। तब यह मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। वर्ष 1937 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने राज्य में हिंदी की अनिवार्य पढ़ाई का फैसला किया था, जिसके बाद राज्य में पहला हिंदी–विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन ने द्रविड़–राजनीति की नींव डाली। हिंदी विरोधी प्रदर्शन आजादी के बाद भी जारी रहे, जिसमें 1965 में छात्रों का आंदोलन भी शामिल है।

वर्ष 1959 में जवाहरलाल नेहरू के आश्वासन और उसके बाद लाल बहादुर शास्त्री सरकार द्वारा राजभाषा अधिनियम, 1963 पारित करने के बाद राज्य में स्थिति सामान्य हुई। यह विरोध पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। हिंदी को लेकर जब भी कोई गतिविधि होती है, यह विरोध शुरू हो जाता है। तमिलनाडु ने एनईपी–2020 का विरोध किया। उसके अलावा पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं, पर तमिलनाडु ने इसे लागू नहीं होने दिया, जबकि ज्यादातर राज्यों ने इसे लागू किया। तमिलनाडु 1967 से दो–भाषा फार्मूले (मातृभाषा तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहा है। उस वर्ष सीएन अन्नादुराई के नेतृत्व में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम सत्ता में आई थी। उसके बाद से राज्य में द्रमुक और अन्ना द्रमुक पार्टी की सरकारें ही सत्ता में आई हैं। द्रविड़ दलों ने लंबे समय से मांग की है कि 'शिक्षा' को समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में वापस लाया जाए।

यह मसला भारतीय संघवाद की विसंगतियों को भी रेखांकित करता है। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास से जुड़े अंतर्विरोधों की प्रतिध्वनि भी इसमें सुनाई पड़ती है। स्वतंत्रता के पहले 'द्रविड़नाडु' नाम से अलगाववादी नजरिया भी उभरा था। इंदिरा गांधी के दौर में केंद्र को मजबूत बनाने की जो कोशिशें हुईं, उनमें शिक्षा का मसला भी शामिल था। संविधान की सातवीं अनुसूची संघ और राज्यों के बीच कानून बनाने की शक्तियों के आवंटन को निर्दिष्ट करती है। 1976 में संविधान में 42वें संशोधन तक शिक्षा राज्य सूची में थी। 1976 में स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के बाद इसे समवर्ती सूची में लाया गया। अब शिक्षा समवर्ती सूची में है।–लेखक वरिष्ठ संपादक हैं।

भारतीय शिक्षा प्रणाली की विकास यात्रा

–राजेंद्र कुमार शर्मा–

अंग्रेजों के आने पर हमारी शिक्षा प्रणाली में बड़ा परिवर्तन आया जिसका उद्देश्य भारतीयों को अपना गुलाम बनाने का था। इसीलिए उन्होंने हमारी वैदिक संस्कृति को अंधविश्वास युक्त , अवैज्ञानिक कहकर नकार दिया। ब्रिटिश शासकों ने हमारी गुरुकुल प्रथा को अपना कर इसे " बोर्डिंग स्कूल" का नाम देकर भारतीयों को भ्रमित करने का काम किया। जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों को माता–पिता और शिक्षकों के चरण स्पर्श करने में शर्म महसूस होती है , महान धार्मिक पात्र और उनकी शिक्षाएं अव्यावहारिक और हास्यास्पद लगती हैं।

हमारी शिक्षा प्रणाली ने समय के कई उतार–चढ़ाव देखे हैं। खासकर मुगल और ब्रिटिश काल में भारतीय शिक्षा पद्धति के साथ ही भारतीय मूल्यों का भी ह्रास हुआ है। मुगल शासन में भू– राजस्व आदि का रिकॉर्ड उर्दू में दर्ज किया जाने लगा और धीरे–धीरे उर्दू जुबान लोगों की जरूरत बन गई। इसका अध्ययन भी अनिवार्य हो गया भले ही वो वैकल्पिक रहा हो। मुगल साम्राज्य खत्म हो गया पर उनकी भाषा का प्रभाव आज भी जीवित है। मुगलों के बाद ब्रिटिश शासनकाल शुरू हुआ, उसके साथ ही अंग्रेजी भाषा ज्ञान के युग की शुरुआत हुई। विद्वानों में अंग्रेजी ज्ञान अनिवार्य कर दिया गया। हमारी शिक्षा पद्धति में परिवर्तन करने की जिम्मेदारी लॉर्ड थॉमस बर्बिंगटन मैकाले को सौंपी गई। उनके प्रस्ताव " मैकाले मिनट" के आधार पर अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम 1835 लागू हुआ। मैकाले भारत में अंग्रेजी शिक्षा के कट्टर पक्षधर थे। उन्होंने पाश्चात्य ज्ञान–विज्ञान के अध्ययन को प्रोत्साहित किया। मैकाले देशी भाषाओं में शिक्षा देने के खिलाफ थे। शायद यही वजह है कि हम आज भी अंग्रेजी भाषा जानने वालों को अभिमान देते हैं। विदेशी शासकों ने भारतीयों को शरीर से ही नहीं बल्कि मस्तिष्क से भी गुलाम बनाने में कसर नहीं छोड़ी। भारतीय शिक्षा प्रणाली ने लगभग 600 वर्षों के गुलामी काल को जिया है। भारतीयों की देवभाषा संस्कृत, विदेशी शासन काल में उपेक्षा का शिकार हुई व हाशिए पर पहुंच गई है। शैक्षणिक सफलता का मापदंड अंग्रेजी ज्ञान बनकर रह गया। स्वतंत्रता के बाद हम उस गुलामी से उबर नहीं पाए।

गुरुकुल शिक्षा प्रणाली

हमारी वैदिक और सनातन संस्कृति में गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली चलन में थी। जिसमें शिष्य को अपने घर का त्याग कर गुरु के सान्निध्य में रहते हुए ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए , शिक्षा के साथ जीवन यापन में आने वाली कठिनाइयों का समाधान क्या हो , कैसे हो आदि का अध्ययन करता था। युद्ध शिक्षा इसका अभिन्न अंग था।

बोर्डिंग स्कूलों की स्थापना

अंग्रेजों के आने पर हमारी शिक्षा प्रणाली में बड़ा परिवर्तन आया जिसका उद्देश्य भारतीयों को अपना गुलाम बनाने का था। इसीलिए उन्होंने हमारी वैदिक संस्कृति को अंधविश्वास युक्त , अवैज्ञानिक कहकर नकार दिया। ब्रिटिश शासकों ने हमारी गुरुकुल प्रथा को अपना कर इसे " बोर्डिंग स्कूल" का नाम देकर भारतीयों को भ्रमित करने का काम किया। जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों को माता–पिता और शिक्षकों के चरण स्पर्श करने में शर्म महसूस होती है , महान धार्मिक पात्र और उनकी शिक्षाएं अव्यावहारिक और हास्यास्पद लगती हैं। पवित्र ग्रंथों और शास्त्रों का अध्ययन नहीं करना चाहते। इसीलिए उससे छुटकारा पाने में 70 वर्षों से अधिक का समय लग गया। परंतु आज भी अभिभावक सरस्वती, विवेकानंद और मां शारदे जैसे नामों वाले विद्यालयों से परहेज करते हैं परंतु सेंट जेवियर, सेंट थॉमस , सेंट मेरी जैसे नाम वाले विद्यालयों से उनका अथाह प्रेम उनकी गुलाम मानसिकता का परिचायक है।

भारतीय शिक्षा की दिशा में प्रयास

हाल के सालों में शिक्षा पद्धति में परिवर्तन का एक प्रयास किया गया। भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना, वेद अध्ययन हेतु गुरुकुलों की स्थापना और उन्हें प्रोत्साहित करना, संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए कदम उठाना, विश्वविद्यालय स्तर पर इंडियन नॉलेज सिस्टम (आईकेएस) को अनिवार्य करना, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद चिकित्सा के विकास और प्रोत्साहन के लिए योजनाएं, विदेशी आक्रांताओं के महिमा मंडन को समाप्त कर, भारतीय पराक्रमी राजाओं के जीवन को स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना आदि कुछ ऐसे बड़े परिवर्तन हैं जिनके द्वारा हमने मैकाले और मुगलों की गुलाम मानसिकता वाली शिक्षा पद्धति को खत्म करने का एक प्रयास किया है। चिकित्सा की शिक्षा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्रदान करने जैसे कदम हमें हमारे मूल से साक्षात्कार करवाने के प्रयासों का ही हिस्सा है।

नयी शिक्षा नीति में स्किल एजुकेशन

गुरुकुल शिक्षा में स्किल एजुकेशन का विशेष महत्व था। इसी शिक्षा प्रणाली की पुनर्स्थापना में नई शिक्षा नीति में स्किल एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। माध्यमिक स्तर से ही विद्यार्थियों को एक वोकेशनल विषय लेने की अनिवार्यता की गई है। वोकेशनल सब्जेक्ट्स की एक लंबी सूची उपलब्ध है। यह विषय विद्यार्थी को परीक्षा के लिए नहीं बल्कि जीवन के लिए तैयार करते हैं। स्वयं करके सीखने में विद्यार्थी जीवन उपयोगी विषयों में महारत हासिल कर लेता है। समय आ गया है कि हम अपनी गौरवशाली भारतीय शिक्षा पद्धति की पुनर्स्थापना के साथ ही अपनी परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन पद्धति को भी गुलाम मानसिकता वाली सोच से मुक्ति दिलवाने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

भीड़ नियंत्रण के लिये हो प्रभावी तंत्र

–रमेश सर्राफ धमोरा–

मगरड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

मगरड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक–दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक–दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़–भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय–समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू–कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन क प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी।

किसान की हत्याकर शव नहर में फेंका, गमछे से बंधे थे हाथ, शरीर पर मिले चोट के निशान

संवाददाता—बहराइच। रानीपुर थाना क्षेत्र के भगहरिया साइफन नहर में रविवार की सुबह किसान की हत्या कर शव को हाथ पैर बांधकर फेंक दिया गया। जब काफी देर तक वे वापस घर नहीं आए तो परिजन नहर किनारे पहुंचे जहां उनका शव उतराता मिला। घटनास्थल पर फारेंसिक टीम और पुलिस उच्चधिकारियों ने पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित कर मौजूद ग्रामीणों से पूछताछ की। पाटीदार पर रंजिश के चलते घटना को अंजाम देने का शक जताया जा रहा है।

रानीपुर थाना के दुर्गूपुर गांव निवासी फूलचंद (50) का शव गांव से दो किलोमीटर मीटर दूर स्थित भगहरिया साइफन नहर में पड़ा मिला। मृतक की बहू मीना ने बताया कि सुबह 4:00 बजे ससुर साइकिल लेकर घर से निकले थे जब काफी देर बीतने के बाद भी नहीं लौटे तो उनका बेटा अजय नहर किनारे पहुंचा जहां साइकिल खड़ी मिली और नहर में उनका शव उतराता मिला। उनके शरीर पर चोट के निशान थे और हत्यारोपी ने हाथ पैर को गमछे से बांधकर उसमें ईटे भी बांधे थे जिससे उनका शव पानी में नीचे बैठ जाए और किसी को नजर ना आए। चार बेटे व दो बेटी है, खेती—बाड़ी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। मौत से पत्नी फूलन देवी सहित अन्य परिजनों का रो—रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि उनके बड़े भाई के बेटे जगत राम ने 8 फरवरी को रानीपुर थाने में मृतक फूलचंद और उनके बड़े भाई सहित तीन लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। जगत राम अक्सर शराब पीकर लोगों से झगड़ा करता है। ग्रामीणों में चर्चा है कि मौत में भतीजे का भी हाथ हो सकता है। भतीजे ने कुछ दिन पहले जान से मारने की धमकी भी दी थी।

आज से होगा यूपी बोर्ड परीक्षा का आगाज, तैयारी पूरी

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने वाली हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं आज से शुरू होंगी। इस बार परीक्षा में सुरक्षा और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया गया है। हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं 12 मार्च को समाप्त होंगी। रविवार देर शाम तक परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट की परीक्षा कराने के लिए इस बार श्रावस्ती जनपद में कुल 49 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर 22 हजार 433 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसमें हाईस्कूल के 12 हजार 562 व इण्टरमीडिएट के 9871 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आगाज सुबह 8.30 बजे से होगा। दो पालियों में परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। पहले दिन पहली पाली में हाईस्कूल की हिन्दी, सामान्य हिन्दी व इण्टर मीडिएट की सैन्य विज्ञान की परीक्षा होगी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से शुरू होगी। दूसरी पाली में हाईस्कूल की हेल्थ केयर व इण्टर मीडिएट की हिन्दी, सामान्य हिन्दी विषय की परीक्षाएं आयोजित होंगी। रविवार शाम तक सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा की तैयारियों को अंतिमरूप दिया गया। परीक्षा केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं पहले ही पहुंचा दी गई थी। वहीं रविवार को कड़ी सुरक्षा में प्रश्न पत्र भी परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाकर स्ट्रांगरूम में सुरक्षित किया गया। नकल विहीन परीक्षा कराने को लेकर डीएम अजय कुमार द्विवेदी की ओर से पहले ही अधिकारियों के साथ बैठक कर कड़े निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को भिनगा स्थित संकलन केन्द्र अलक्षेन्द्र इण्टर कालेज में जमा किया जाएगा।

सड़क हादसे में युवती की मौत

संवाददाता—बहराइच। बहराइच कर्नेलगंज मार्ग के बलिदान बगिया के पास शनिवार रात तेज रफ्तार डम्पर ने बाइक मे पीछे से टक्कर मार दी। जिसके चलती बाइक पर पीछे सवार युवती की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहा युवती का भतीजा व दो मासूम बाल बाल बच गए। दुर्घटना होते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

रामगांव थाने के सुर्जापुर माफी निवासी 19 वर्षीय आरिफ पुत्र मैनूद्दीन अपनी बुआ खसहा कुट्टी निवासनी 29 वर्षीय अफसाना पत्नी मोहुद्दीन को शनिवार रात रानीपुर थाने के गोबरहा के मजरे नब्बनपुरवा ले जा रहा था। जैसे ही बाइक रानीपुर थाने के रमुवापुर चौराहे से बलिदान बगिया के पास पहुंची। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डम्पर ने बाइक मे टक्कर मार दी। बाइक उछल कर दूर जा गिरी। अफसाना की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आरिफ व दो मासूम दूर जा गिरे। तीनों की जान बच गई।

किडडू प्ले स्कूल में निशुल्क में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता—बहराइच। 70 साल से अधिक आयु वालों के आयुष्मान कार्ड बनाए बहराइच। शहर के मोहल्ला नाजिरपुरा स्थित किडडू प्ले स्कूल के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सामाजिक संगठन गौतम गाजी मानव सेवा संस्थान एवं मल्टीटास्कर्स फाउंडेशन के तत्वावधान में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

संक्रामक रोग प्रभारी आफाक अहमद के नेतृत्व में आयोजित शिविर में लगभग 150 मरीजों का परीक्षण कर उनकी निशुल्क जांच एवं दवाएं उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर नेत्रों की जांच एवं 70 वर्ष से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। एक विशेष शिविर महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग का भी आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 50 महिलाओं ने अपनी— अपनी जांच कराईस आयोजन समिति ने आफाक अहमद को मेमोन्टो देकर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया गया। डॉ. अजीमुल्ला खान, डा. मकबूल हैदर जाफरी, डा अदिति सैनी, डा. प्रिया, डा. सानिया, विंध्याचल दिवेदी, किरण मिश्रा, अब्दुल रहमान खान, रिंकू यादव, समीर खान, जावेद, बंशीलाल, उमेश चंद्र, अब्दुल रहीम,मोहम्मद शारिब,उजेर अहमद,हाजी नूर अहमद, स्कूल के डायरेक्टर शादाब अन्सारी, फाउंडर प्रिंसपल नूरे फिरदौस व अध्यापिका शुमैला मुस्तकीम, इकरार जाहिद आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, प्रहरियों को टार्च बांटा

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस विभाग की ओर से ट्राई साइकिल, टार्च व साफा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व ग्राम प्रहरियों को टार्च, साफा प्रदान किया। साथ ही ग्राम प्रहरियों को जरूरी निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसियों की ओर से रविवार को आगामी त्योहारों को लेकर सिरसिया थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सबसे पहले एसपी की ओर से तीन दिव्यांगों को ट्राई साइकिल प्रदान किया। साथ ही 60 ग्राम प्रहरियों को टार्च व साफा वितरित किया। वहीं शांति समिति की बैठक करते हुए एसपी ने लोगों ने त्योहार के दौरान शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार खुसियां बनाने का समय होता है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो इसका ध्यान रखें। पुलिस लोगों की सुरक्षा में तैनात है। यदि किसी की भी ओर से कानून व्यवस्था में खलल डालने की कोशिष हुई तो पुलिस संबंधित के साथ सख्ती से निपटेगी। लेकिन यदि आप सहयोग करेंगे ते पुलिस आपकी सुरक्षा में मुश्तैद रहेगी। वहीं एसपी ने ग्राम प्रहरियों से कहा कि सभी अपने अपने क्षेत्र में नजर रखें। किसी भी तरह की समस्या होने पर अधिकारियों को सूचित करें।

गोभी लदी पिकअप में 80 पेटी शराब छुपा कर बिहार ले जा रहे थे तस्कर, दो गिरफ्तार

संवाददाता—देवरिया। यूपी से बिहार में शराब तस्करी का ट्रेंड तस्कर आए दिन बदलते रहते हैं। शराब तस्कर कभी दूध वाहन तो कभी डाक वाहन, कभी ट्रकों के चेचिस में शराब भरकर यूपी से बिहार में भिजवाकर मोटी रकम कमाते हैं। रविवार को एक तस्कर हरा गोभी लदे एक पिकअप में 80 पेटी शराब यूपी से बिहार ले जाने की फिराक में था, लेकिन लार पुलिस की सूझबूझ से उसे दबोच लिया गया। रविवार की सुबह लार थाना क्षेत्र के मेहरौना चेकपोस्ट पर पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रांत वीर के निर्देश पर थाना प्रभारी लार उमेश कुमार बाजपेयी, मेहरौना चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार मिश्रा,कांस्टेबल रामप्रवेश यादव,चंद्रमौलेश्वर सिंह,सर्वेश यादव,राजकुमार सरोज वाहनो की चेकिंग कर रहे थे। उसी बीच लार रोड की तरफ से एक पिकअप आता दिखाई दिया। जिसमें गोभी लदा हुआ था।

पुलिसकर्मियों को संदेह हुआ तो वाहन को रोक उसकी तलाशी लेने लगे। तलाशी के दौरान गोभी के बोरे के नीचे 80 पेटी ऑफिसर चॉइस ब्रांड की शराब बरामद हुई । इसके बाद लार पुलिस पिकअप समेत एक तस्कर को हिरासत में लेकर थाने चली आई। पकड़े गए तस्कर ने पूछताछ में अपना नाम अंकित निवासी मैरवा बताया है।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार बाजपेयी ने बताया कि 80 पेटी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

निरंकारी मिशन के भक्तों ने लिया स्वच्छता का संकल्प, 'स्वच्छ जल स्वच्छ मन' कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता—बलरामपुर। संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक गुरू बाबा हरदेव सिंह महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को राप्ती नदी के सिसई घाट पर स्वच्छ जल स्वच्छ मन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निरंकारी मिशन के भक्तों ने नदी के तट पर साफ—सफाई करके स्वच्छता का संकल्प लिया। इस दौरान विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए प्रार्थना भी की गई। स्वच्छ जल स्वच्छ कार्यक्रम के तहत निरंकारी मिशन के महिला व पुरुष सेवादल के कार्यकर्ताओं ने श्रमदान करते हुए नदी के दोनों तट, सीढ़ी तथा घाट के किनारे उगी झाड़ियों की सफाई की गई। घाट पर पड़े पुराने कपड़े व पालीथीन आदि को हटाया गया। निरंकारी मिशन बलरामपुर के जिला प्रमुख राम अवतार मुखी ने कार्यकर्ताओं को साफ—सफाई का महत्व समझाते हुए स्वच्छता का संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि बाबा हरदेव सिंह महराज की जयंती के उपलक्ष्य में निरंकारी मिशन की तरफ से आज पूरे देश में स्वच्छ जल स्वच्छ मन कार्यक्रम के तहत नदी, नहर व कुआं आदि जलस्रोतों की सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने ईश वंदना कर विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए प्रार्थना भी की। इसके बाद लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवादल के संचालक अशोक कुमार, ओंकारनाथ पटेल, मिथलेश, रेखा, स्वामीनाथ मौर्या, रामरंग, रामसनेही, काजोल, आशु कटियार व शुभम सहित सेवादल के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जहर खाने पर अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता—बहराइच। मेडिकल कॉलेज में भर्ती जहर खाने से भर्ती अधेड़ की शनिवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने रविवार दोपहर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। देहात कोतवाली के चौखड़िया गांव निवासी 55 वर्षीय बड़कऊ पुत्र समयदीन के बेटे की गुरूवार को बारात गई थी। शुक्रवार को पुत्रवधू की विदाई हुई। घर में खुशी का माहौल था। इसी दौरान जब बड़कऊ ने शराब की बोतल का ढक्कन खोला। तो भांजे ने टोका कि तमाम मेहमान है। आज शराब न पिएं। पत्नी जुगन्ता ने भी टोका तो इस पर बड़कऊ बुरा मान गया। उसने पत्नी की पिटाई कर दी। वह शराब पीने के बाद जाकर सो गया। शनिवार सुबह वह जगा तो कुछ समय बाद उसने चुपचाप जहर खा लिया। जब उसकी हालत काफी बिगड़ने लगी। तो उसे परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। उसकी मौत से परिजनों में हाहाकार मच गया है।

बाल विवाह का लोग खुलकर करें विरोध—नुसरत

संवाददाता—श्रावस्ती। परिषदीय स्कूल में बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं व अभिभावकों को बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जागरूक किया गया। साथ ही बालिकाओं को बाल विवाह का खुलकर विरोध करने के लिए प्रेरित किया गया। गिलौला विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय भिठिया चिचड़ी में शनिवार शाम को बाल विवाह के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सहायक शिक्षिका नुसरत बानो की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षिका नुसरत बानों की ओर से छात्र छात्राओं व अभिभावकों के साथ ही विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूक किया। वहीं सभी को बाल विवाह न करने व बाल विवाह का विरोध करने की शपथ दिलाई गई। शिक्षिका नुसरत बानों ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर वन व वधू पक्ष के लोगों को सजा हो सकती है। इसके साथ ही बाल विवाह करने से लड़का व लड़की का शारीरिक व मानसिक विकास रुक जाता है। खासकर लड़कियों कई तरह की बीमारियों से घिर जाती हैं। इस लिए बाल विवाह न करें और न करने दें। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए कहा कि बेटे की तरह ही बेटियों को भी शिक्षा दिलाएं। एक बालिका के शिक्षित होने पर दो परिवारों में शिक्षा का प्रकाश पहुंचता है। इसलिए बालिका बेहद जरूरी है। इस मौके पर ग्राम प्रधान नीलम देवी, एसएमसी अध्यक्ष पहलवान, प्रधान शिक्षिका साफिया बानो, यूमना शाह, संध्या मिश्रा, प्रियंका मिश्रा, अमरसिंह, ममता रानी, संध्या रानी आदि मौजूद रही।

मंदिर परिसर के हवन कुंड तोड़ने पर प्रदर्शन

संवाददाता—बहराइच। ग्रामीणों का आरोप पुलिस और राजस्वकर्मी मौके पर थे रुपईडीहा(बहराइच)। नेपाल सीमा से सटे गांव सभा सहजना के हनुमान मंदिर परिसर में तालाब के पास बने हवन कुंड को तोड़वा दिया। बताया जा रहा है कि राजस्व कर्मियों की टीम पुलिस वहां गई थी। इससे क्षेत्र के हिन्दु समुदाय के लोगों में नाराजगी है। रविवार सुबह लोग पहुंचे और मौके पर प्रदर्शन करके विरोध जताया है। प्रदर्शनकारी कृष्ण चंद्र त्रिपाठी, अनिल पाठक, दीपक, अमरजीत, बृजेश कुमार विश्वकर्मा आदि ने बताया कि लेखपाल, कानूनगो व थाने के पुलिस कर्मी मंदिर पर पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर के हवन कुंडों को तोड़वा दिया। तीरथ राम ने कहा कि इसी तालाब में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन होता है। कार्तिक पूर्णिमा को इसी परिसर पर 3 दिवसीय मेला लगता है। बिना किसी नोटिस के राजस्व कर्मी व पुलिस ने जबरिया हवन कुंडों को तोड़वा दिया। मानदास महंत ने बताया कि श्रद्धालुओं ने 6 हवन कुंड बनवाये थे। 1984 से दुर्गा प्रतिमाएं यहां विसर्जित की जाती हैं। तीरथ राम गुप्ता ने बताया कि गांव सभा के खलिहान में एक समुदाय के धर्मस्थल बने हैं। खलिहान में लोगों के घर बने हैं उस ओर प्रधान, राजस्व कर्मी व पुलिस का ध्यान नहीं गया। तालाब पर प्रदर्शनकारी, पैरु यादव, सहजराम गुप्ता, राम बहोरि वर्मा, मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष पवन कुमार पाठक व केशव राम वर्मा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चलती ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

संवाददाता—बहराइच। एक दिन पहले घर से नाराज होकर निकले युवक ने तेज रफ्तार ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची जरवलरोड व जीआरपी की पुलिस जांच में जुटी है।

जरवलरोड के ग्राम सभा बसहिया जगत निवासी 30 वर्षीय धनलाल पुत्र छोटेलाल शनिवार को अपनी साइकिल से निकले थे। पत्नी नीलू ने कारण पूछा तो धनलाल ने घर वापस नहीं आने की बात कही थी। रविवार सुबह 8:30 बजे घाघराघाट स्टेशन अधीक्षक ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवक डाउन लाइन पर मृत पड़ा है। जरवलरोड थाने के एसआई मुकेश मणि बुढ़वल थाने के राम बाबू व सिपाही सारंग यादव ने मृतक के शव को कब्जे में लिया है। प्रभारी निरीक्षक बृजराज प्रसाद ने बताया कि मृतक की साइकिल व मोबाइल मौके पर मिला है। परिजनों के अनुसार मृतक करीब 15 दिन से परेशान था। प्रकरण की जांच की जा रही है।

भारत—नेपाल सीमा क्षेत्र में बरतें सतर्कता—एसपी

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक ने सिरसिया थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने अभिलेखों की जांच की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया रविवार को सिरसिया थाने का वार्षिक निरीक्षण करने पहुंचे। थाना पहुंचे एसपी को सबसे सम्मान गार्द की ओर से सलामी दी गई। इसके बाद एसपी ने थाना कार्यालय में अहमद महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच की। जिनमें उन्होंने रजिस्टर नंबर 8, अपराध रजिस्टर, एक्टिव लिस्ट, बीट सूचना रजिस्टर, फ्लाई शीट रजिस्टर, बीपीओ रजिस्टर, शस्त्र सत्यापन रजिस्टर, आर्डर बुक प्रार्थना पत्र व न्यायालय आर्डर बुक का गहनता से अवलोकन किया। त्योहार रजिस्टर की भी जांच की, जिसमें बीते त्योहारों की प्रविष्टियां दर्ज पाई गई। एसपी अभिलेखों के रखरखाव, परिसर की स्वच्छता से संतुष्ट दिखे। उन्होंने ऑपरेशन क्लीन के तहत थाना परिसर में खड़े लावारिस व मुकदमाती वाहनों के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने सीसीटीएनएस कार्यालय, थाना कार्यालय, हेल्प डेस्क, बंदीगृह, मालखाना, आरक्षी बैरक व भोजनालय का निरीक्षण कर जायजा लिया। एसपी ने निर्देश दिया कि क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों व मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था उच्च स्तर की रखा जाय। शिवरात्रि पर निकलने वाली शोभायात्राओं व जलाभिषेक के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर पर सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम एसएसबी के साथ मिलकर नियमित सीमा की निगरानी करें व गश्त करती रहे। इस मौके पर सीओ भिनगा संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना सिरसिया राज कुमार सरोज व अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

पहली बार वेस्ट टू वंडर थीम पर फ्लावर शो, लगाई जाएगी पुष्प प्रदर्शनी

संवाददाता—गोण्डा। देवीपाटन मंडल मुख्यालय पर पहली बार जिला प्रशासन ने स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ्लावर शो का आयोजन किया है। रविवार को राजा देवीबख्श सिंह रेलवे कॉलोनी जलाशय पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने किया। इस फ्लावर शो की थीम 'वेस्ट टू वंडर'है, जिसका उद्देश्य कचरे से सुंदरता (री—साइकलिंग) को बढ़ावा देना है। इस थीम के तहत प्रतिभागियों को फ्लावर डेकोरेशन और गार्डनिंग में अनुपयोगी वस्तुओं का रचनात्मक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 'वेस्ट टू वंडर' थीम पर आधारित फ्लावर डेकोरेशन, रंगोली प्रतियोगिता, फूलमाला प्रतियोगिता के साथ ही अन्य सरकारी विभागों की पुष्प प्रदर्शनी लगाई गई है।

पति से परेशान दूल्हन लौटी वापस, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—महराजगंज। हनीमून पर गोवा गई दुल्हन के साथ एक घटना घट गई। बेडरूम के अंदर डॉक्टर दूल्हे ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसके बाद दुल्हन चीखने लगी। दूल्हे की हरकत से परेशान दुल्हन रात को ही फ्लाइट से वापस अपने घर आ गई। इसके बाद परिवार वालों के साथ थाने पहुंची और केस दर्ज कराया। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां की रहने वाली एक लड़की की 12 फरवरी को निचलौल क्षेत्र के चमनगंज पुल के पास रहने वाले रत्नेश गुप्ता के साथ शादी हुई थी। शादी हिंदू रीति—रिवाज से कराई गई।

पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल वालों ने उसका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। इसकी जानकारी जब मायके वालों को हुई तो वह ससुराल पहुंचे और बातचीत करके मामला शांत कराया। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 फरवरी को दुल्हन अपने डॉक्टर पति के साथ हनीमून मनाने गोवा चली गई।

पीड़िता ने बताया कि बेडरूम में जाते ही डॉक्टर पति ने उससे मारपीट शुरू कर दी। पति उसे इस कदर पीटा कि बेडरूम में ही दर्द से चीखने लगी। इसकी जानकारी उसने मायके वालों को दी। इसके बाद 22 जनवरी को मायके वालों ने फ्लाइट की टिकट बुक कराकर घर बुला लिया। इसके बाद वह परिवार के साथ कोतवाली पहुंची और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गोवा में पति ने गला दबाकर उसे जान से मारने की कोशिश की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मारपीट, दहेज उत्पीड़न समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी है।

अधिकारियों ने जवानों संग किया फ्लैग मार्च

संवाददाता—देवरिया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर के निर्देशन में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से देवरिया पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। इसी क्रम में कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत व्यापक फ्लैग मार्च एवं एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान में एसडीएम सदर श्रुति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने कोतवाली पुलिस बल के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई।

फ्लैग मार्च एवं एरिया डोमिनेशन का उद्देश्य त्यौहारों के दौरान कानून—व्यवस्था बनाए रखना, आम जनता में सुरक्षा की भावना जागृत करना एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखना था। पुलिस प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि जनपद में किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि न हो एवं नागरिक बिना किसी भय के अपने त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मना सकें। फ्लैग मार्च थाना कोतवाली क्षेत्र के प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों से होकर गुजरा। इस दौरान भीड़भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से सतर्कता बरती गई। पुलिस बल ने पैदल गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी एवं स्थानीय व्यापारियों, नागरिकों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा संबंधी जानकारी दी।

सड़क हादसों में कई लोग गंभीररूप से घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। तीन अलग अलग हादसों में आधा दर्जन लोग गंभीररूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। नवीन मॉडर्न पुलिस थाना श्रावस्ती क्षेत्र के नेशनल हाईवे 730 पर कटरा बाईपास स्थित शनि देव मन्दिर के पास रविवार सुबह डीसीएम व कन्टेनर में आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में डीसीएम में सवार शिवम यादव (23) पुत्र शैलेंद्र यादव व शैलेंद्र यादव (50) पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम सद्दू थाना फतेहपुर जिला बाराबंकी गंभीररूप से घायल हो गए। वहीं कन्टेनर चालक व परिचालक मौके से फरार हो गए। लोगों ने डीसीएम में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद हाइवे पर करीब सात किलोमीटर लम्बा जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से दोनों घायलों को सीएचसी इकौना भिजवाया। साथ ही जाम हटवाना शुरू किया। पुलिस की मशक्कत से करीब दो घंटे बाद हादवे पर आवागमन शुरू हो सका। इधर घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। इसी तरह मल्हीपुर थाना क्षेत्र के बनगई गांव के पास कार व बाइक में भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार गिरन्ट थाना क्षेत्र के आलागांव निवासी मारूफ (20) पुत्र सगीर अहमद व मल्हीपुर क्षेत्र के बीरपुर लौकिहा निवासी कलामुद्दीन (17) पुत्र वारिस अली गंभीररूप से घायल हो गए। दोनों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। शनिवार देर शाम को इकौना के महादा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार इकौना के आजादनगर निवासी महेश कुमार सोनी पुत्र रमेश चंद्र सोनी व पथेड़ा निवासी जगदीश सोनी पुत्र पुत्तन सोनी घायल हो गए। दोनों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें बहराइच रेफर कर दिया गया।

बालश्रम रोकने के लिए सामाजिक जागरूकता जरूरी

संवाददाता—बहराइच। तराई के लिए बालश्रम एक अभिशाप बन गया है। सरकारी आंकड़े भले ही बालश्रम के बढ़ते ग्राफ में अंकुश का दावा कर रहे हों, लेकिन हकीकत इससे उलट है। शिक्षा के प्रति अभिभावकों का रवैया, परिवार की आर्थि स्थिति न केवल परिवार के बड़ों बल्कि अबोध बच्चों को भी मजदूरी करने के लिए विवश कर रही है। यह हाल तब है जब शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराया जा रहा है बावजूद तराई में पढ़ने—लिखने की उम्र में बच्चे होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट, परचून की दुकानों से लेकर बिल्डिंग निर्माण में खतरनाक काम करते दिख रहे हैं। जिम्मेदार विभाग जागरूकता व बालश्रम रोकने की दिशा में सरकारी आंकड़ों को दुरुस्त करने के लिए प्रतिष्ठानों पर छापेमारी करता रहा, लेकिन बच्चों से श्रम कराने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई के नाम पर चेतावनी या फिर मामूली जुर्माना तक ही कदम उठ पा रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ सालों में सरकारी योजनाओं और विभागीय अधिकारियों की सक्रियता से बालश्रम कराने वाले लोगों में डर पैदा हुआ है, लेकिन यह अभी नाकाफी है। श्रम विभाग की ओर से बाल श्रमिकों के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित हो रही हैं। माता—पिता की मृत्यु होने पर विभाग बीमित श्रमिकों के बच्चों को 5.25 लाख रुपए की आर्थिक मुहैया कराने का दावा किया जा रहा है। निजी संस्थानों से भी बाल श्रमिक के अभिभावकों को उपकरण व संसाधन मुहैया कराया जा रहा है ताकि आर्थिक उन्नयन कर बच्चों की शिक्षा के प्रति वे जागरूक हो सकें, लेकिन इन योजनाओं का लाभ पाना बाल श्रमिक व उन अभिभावकों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। जटिल प्रक्रिया की वजह से वे कदम खींच ले रहे हैं। दरअसल बाल मजदूरी हमारे समाज का वो कड़वा सच है, जिसे झुठलाया नहीं जा सकता। बचपन इंसान की जिंदगी का सबसे हसीन पल होता है। बचपन में न किसी बात की चिंता होती है और न किसी का डर, लेकिन हर इंसान को बचपन में यह पल नसीब हो, यह संभव नहीं है। कुछ लोगों का बचपन गरीबी में पेट भरने की जद्दोजहद में काम के बोझ तले दबकर रह जाता है। जिले के कई ढाबों, होटलों और दुकानों समेत अन्य जगहों पर छोटे —छोटे बच्चों को बाल मजदूरी में पिसते हुए देखा जा सकता है।

पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को कुचल रही भाजपा सरकार —माता प्रसाद

संवाददाता—गोण्डा। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि कुंभ में अश्लीलता परोसने व फैलाने वाले लोगों पर सरकार को कठोर कदम उठाना चाहिए। सोशल मीडिया पर बहुत सी महिलाओं का फोटो और वीडियो वायरल हो रहा है। उर्दू शब्द को लेकर सूबे के मुखिया ने गलत बयान दिया है जिसको लेकर समाजवादी पार्टी का विधायक दल सदन में भाजपा सरकार को घेर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को कुचल रही है। 2027 में समाजवादी की सरकार आएगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पूर्व गौरा विधानसभा में आगमन पर सपा नेता हफीज मलिक व अब्दुल कलाम मलिक ने कार्यकर्ताओं के साथ किया स्वागत। इस दौरान सपा नेता अब्दुल अजीज, बब्बू, डॉ. अरशद, फिरोज खान, आसिफ खान, पुजारी पांडेय, आदित्य यादव, सईदुर्रहमान, चिंटू खान सहित अन्य मौजूद रहे।

महाकुंभ सीएम योगी का कुशल नेतृत्व, नई पीढ़ी भी इसके दिव्यता–पवित्रता से हुई परिचित –भबातोष विश्वास

संवाददाता–गोरखपुर। चिकित्सा विश्वविद्यालय कोलकाता के पूर्व कुलपति, अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल कोलकाता के वरिष्ठ कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन डॉ. भबातोष विश्वास ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तपस्यारत योजनाओं, स्वच्छता, सुरक्षा, तकनीक और सुव्यवस्था के फलस्वरुप प्रयागराज महाकुंभ 2025 को युगों–युगों तक याद किया जाएगा।

एक तपस्वी नेतृत्व ने इस महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन सिद्ध कर दिया है। दिव्य, नव्य, और भव्य यह महाकुंभ सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का उत्कृष्ट प्रतीक बन गया है।

डॉ. विश्वास रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन समापन सत्र (समारोप) को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वह अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें प्रयागराज महाकुंभ महोत्सव में सम्मिलित होने और गंगा, यमुना और सरस्वती की पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यथार्थ में आधुनिक दौर में अनादिकाल से चली आ रही सनातन परंपरा के वैभव का चरमोत्कर्ष है प्रयागराज महाकुंभ।

सनातन धर्म, मनुष्यता का ही पर्याय है और मनुष्यता की विभिन्न धाराओं की एकसूत्रता का केंद्र महाकुंभ है। यहां जाति, वर्ण, वर्ग और धार्मिक उपेक्षाएं संगम की पवित्र जलधारा में बह जाती हैं। डॉ. विश्वास ने कहाकि यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कुशल प्रबंधन ही है कि नई पीढ़ी भी महाकुंभ की दिव्यता और पवित्रता से परिचित हुई है। दुनिया भर के लोग यहां आने को आतुर दिखे। महाशिवरात्रि के स्नान पर्व से तीन दिन पूर्व ही प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ से अधिक हो चुकी है।

वर्ष 2025 का महाकुंभ न केवल कल्पनाओं से परे है बल्कि इसने उत्तर प्रदेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की गति को और भी तीव्रतम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस महाकुंभ से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को करीब तीन लाख करोड रुपये का बूस्टर डोज मिलना अनुमानित हैं। इस महाकुंभ से छोटे बड़े हर किसी को फायदा होगा।

डॉ. विश्वास ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में पूरी दुनिया ने देखा कि एक संवेदनशील और सक्षम सरकार जनभागीदारी और जनविश्वास के साथ बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किस तरह कर सकती है। आज समूचा संसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश की खुले दिल से प्रशंसा कर रहा है।

कहा कि भारत की सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और दिव्यता की अनुपम अभिव्यक्ति महाकुंभ मे दिखाई देता है। महाकुंभ पर्व एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे विभिन्न संस्कृति और पृष्ठभूमि के लोग एकजुट होकर आध्यात्मिक एवं सामाजिक उद्देश्य को पूरा करते हैं।

समारोप के विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रक्षा अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि महाकुंभ पर्व मानव इतिहास के सर्वाधिक पुरानी परंपराओं में से एक है। किसी बहती नदी और जीवंत संस्कृति सा यह भी प्रवाहमान और जागृत है। महाकुंभ के अर्थशास्त्र को रेखांकित करते हुए प्रो. सिन्हा ने कहा कि आस्था, आर्थिकी और रोजगार में किस प्रकार सहायक हो सकती है, इस महाकुंभ ने इसे आसानी से समझाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था के सम्मान के साथ अर्थव्यवस्था में इसके योगदान को समुचित महत्व दिया है। इसके चलते प्रयागराज में 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में होने वाली आर्थिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप राज्य सरकार को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। वित्तीय लेनदेन करीब तीन लाख करोड़ से अधिक होने की संभावना है।

समापन सत्र में एक अन्य विशिष्ट अतिथि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्यायने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' और 'समावेशी भारत' की जीवंत झांकी के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। बहुपंथीय, बहु सांस्कृतिक, बहुभाषीय भारत की अनिर्वचनीय सनातन परंपरा का वाहक महाकुंभ अनेकता में एकता का शाश्वत और समेकित जयघोष है। वैदिक और पौराणिक आख्यानों के उद्धरण से डॉ. उपाध्याय ने महाकुंभ को धरती पर लगने वाला सबसे विशाल आध्यात्मिक मेला बताया।

समारोप सत्र में सभी अभ्यागतों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता से उत्तर प्रदेश का डंका पूरी दुनिया में बजा है। वैश्विक फलक पर उत्तर प्रदेश के हिस्से आई यह ख्याति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है।

'आस्था को सम्मान और विकास के नित नए प्रतिमान' के सीएम योगी के विजन को देखकर विश्व समुदाय चकित है। उन्होंने महाकुंभ की सनातनी परंपरा और अनुशासन की महत्ता को वैश्विक पटल पर इस तरह प्रतिष्ठित किया है जिसे अनंतकाल तक याद किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन सहायक आचार्य रमाकांत दूबे ने किया।

सैनिक स्कूल में 24 से अधिक छात्र बीमार, डॉक्टरों की टीम पहुंची, लिए गए खून और लार के नमूने

संवाददाता–गोरखपुर। खाद कारखाना (फर्टिलाइजर) परिसर स्थित पूर्वांचल के पहले सैनिक स्कूल में दो दर्जन से अधिक छात्र बीमार हो गए हैं। संक्रामक रोग फैलने के अंदेशे से स्कूल प्रशासन सकते में आ गया है। छात्र और अभिभावक भी चिंतित हैं। दर्जन भर से अधिक छात्रों को अभिभावकों के साथ घर भेज दिया गया है। स्कूल प्रबंधन की सूचना पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज और आरएमआरसी की टीम ने पहुंचकर छात्रों की जांच की। टीम ने 80 छात्रों के रक्त और लार के नमूने लिए हैं। बताया जा रहा है कि सैनिक स्कूल में बीते एक महीने से छात्रों के बीमार पड़ने की शिकायतें आ रही हैं। स्कूल के शहीद भगत सिंह, शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, शहीद बंधु सिंह और रानी लक्ष्मीबाई हॉस्टलों में रहने वाले छात्र बीमार पड़ रहे हैं। उन्हें उल्टी–दस्त, सर्दी–जुकाम, बुखार, पेट में दर्द के साथ शरीर पर लाल दाने और चकत्ते पड़ रहे हैं। बीमार होने वालों में छात्र और छात्राएं दोनों हैं।

बताया जाता है कि सभी छात्र कैंपस में बने हॉस्टल में रहते हैं। स्कूल में हर महीने डॉक्टरों की टीम बुलाकर बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच करवाई जाती है। इसी दौरान बीमार छात्रों की संख्या में इजाफा होने लगा। इसके बाद स्कूल प्रशासन सक्रिय हुआ। स्थानीय पीएचसी के डॉक्टरों ने इसकी सूचना सीएमओ को दी। स्कूल प्रबंधन ने भी स्वास्थ्य महकमे को अवगत कराया। कई अभिभावक बीमार छात्रों को घर लेकर चले गए।

सीएमओ ने इसकी सूचना बीआरडी मेडिकल कालेज कैंपस स्थित आरएमआरसी को दी। वहां से डॉ. गौरव राज द्विवेदी और डॉ. राजीव सिंह की अगुआई में टीम सैनिक स्कूल कैंपस पहुंची और हॉस्टल में रहने वाले 80 छात्रों के खून व लार के नमूने लिए हैं। आरएमआरसी के मीडिया प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय ने इसकी तस्दीक की। उन्होंने कहा कि 80 में से कुछ नमूने एन्फ्लूएंजा पॉजिटिव मिले हैं। उसके स्ट्रेन का पता लगाने के लिए एडवांस जांच की जा रही है। सैनिक स्कूल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। इसी साल पहले सत्र की शुरुआत हुई है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा प्रदान की जा रही है।

इलेक्ट्रिक रैपिड फायर वाटर गन से निकलेगा रंग, बम से होगी गुलाल की वर्षा

संवाददाता–गोरखपुर। रंगों के पर्व होली में अभी 20 दिन का समय है, लेकिन बाजार पर त्योहार का रंग चढ़ने लगा है। शहर के प्रमुख बाजार पांडेयहाता में पिचकारी व रंग–गुलाल की दुकानें सज गईं हैं। वहीं, किराना दुकानों पर तरह–तरह के पापड़ एवं चिप्स भी लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। होली के बाजार में पहली बार आए इलेक्ट्रिक रैपिड फायर वाटर गन से रंग निकलेगा तो पलीता जलाते ही बम से गुलाल की वर्षा होगी। जो आसपास खड़े लोगों को होली के रंग में सराबोर कर देंगे। बाजार में बिक रहे स्माग फाक, कलर स्माग तथा स्माग फाउंटेन जैसे तरह–तरह के गुलाल भी त्योहार को खास बनाएंगे। शहर के प्रमुख बाजार पांडेयहाता में होली के बाजार करीब सज चुके हैं। बच्चों को थ्रीडी, बार्बी डाल, स्पाइडर मैन तथा बटर फ्लाई पिचकारी भी आकर्षित कर रहे हैं। रंगों के त्योहार में चार–चांद लगाने के लिए पहली बार बाजार में आया मैजिक ग्लास भी लोगों को काफी भा रहा है। चार सौ एमएल के इस ग्लास में पानी डालते ही यह गाढ़े रंग से भर जा रहा है। 60 से 70 रुपये प्रति पीस बिकने वाला यह ग्लास हरा, नारंगी, नीला व लाल रंग में उपलब्ध है।

पांडेयहाता के रंग–गुलाल व पिचकारी के थोक कारोबारी पवन कुमार पटवा ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष होली के सामानों में काफी विविधता देखने को मिल रही है। कारोबारियों ने चार्जेबल इलेक्ट्रिक रैपिड फायर वाटर गन पहली बार बाजार में पहली बार उतारा है। इस पिचकारी की कीमत 1500 से 2000 रुपये प्रति पीस है। इसमें रंग भरने के बाद ट्रिगर दबाते ही 15 से 20 फीट दूर खड़े व्यक्ति को रंग से सराबोर कर देगा। इसके अलावा सिलेंडर वाले गुलाल दो व पांच किलो में उपलब्ध है, जो लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इसकी कीमत एक हजार व 12 सौ रुपये हैं। योगी–मोदी का सिर में बांधने वाली पट्टी खासकर युवा अधिक पसंद कर रहे हैं। इसमें बीच में अयोध्या का श्रीराम मंदिर का चित्र आकर्षण का केंद्र है और यह प्रति पीस दस रुपये में उपलब्ध है। ये सभी माल दिल्ली मंगाए गए हैं।

थोक कारोबारी विशाल पटवा ने बताया कि इस बार तरह–तरह के मास्क व बिग सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। बच्चों को जहां शेर, कंकाल व स्पाइडरमैन वाले मास्क पसंद आ रहे हैं वहीं रंग–बिरंगे बाल, मास्क, चश्मे, बैंड की भी लोग खूब खरीदारी कर रहे हैं। सामान्य पिचकारी से अलग हटकर हथौड़ा, कुल्हाड़ी, बाहुबली व मछली के शेप वाली पिचकारी लोगों को खूब भा रही है। यह 200 से 250 रुपये बिक रही है। इसके अलावा मैजिक कलर, मैजिक आइस तथा अनार व फाग स्माग सबकी पसंद बना है। मैजिक आइस के पैकेट में रखी शीशी में रखे पावडर को ग्लास में रखने के साथ ही जैसे ही उसमें पानी डाला जाएगा रंग बर्फ की तरह दिखने लगेगा। यह 30 से 35 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। रंगों को त्योहार को खास बनाने के लिए बाजार में चटख रंग के साथ ही चिप्स, पापड़, कचरी के साथ ही तरह–तरह के नमकीन भी सजने लगे हैं। चेंबर आफ ट्रेडर्स के अध्यक्ष व पापड़–नमकीन के थोक व्यापारी अनूप किशोर अग्रवाल ने बताया कि इस बार मशीन से बने उत्पादों की तुलना में घरों में बने चिप्स, साबुदाना पापड़ व आलू पापड़ मंगाए गए हैं।

लोगों की मांग के अनुरूप काशी का आलू पापड़, बीकानेरी व जोधपुर के मूंग का पापड़ तथा गुजरात के चिप्स बिक्री के लिए आ चुके हैं। इसके अलावा ब्रांडेड कंपनियों के नमकीन भी मगाएं गए हैं, ताकि लोगों अपनी रुचि के अनुसार खरीदारी कर सकें।

महाशिवरात्रि पर बन रहे शुभ संयोग, रामनगरी में आएंगे लाखों श्रद्धालु, रेलवे ने किया इंतजाम

संवाददाता–अयोध्या। महाशिवरात्रि का त्योहार और महाकुंभ का शुभ संयोग बन रहा है। इसमें स्नान–दान और भगवान शिव की आराधना का विशेष फल मिलने के साथ श्रद्धालुओं के पापों का नाश भी होगा। हालांकि विवाह के नक्षत्रों के अनुकूल न होने के कारण इस दिन मांगलिक कार्य नहीं हो सकेंगे। इस बार महाशिवरात्रि पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं।

इस दिन त्रिग्रही योग के साथ शिव योग और सिद्ध योग का भी संयोग बन रहा है। इस बार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी महाशिवरात्रि 26 फरवरी को है और इस दिन श्रवण नक्षत्र का भी योग बन रहा है। महाशिवरात्रि के दिन चार प्रहर की पूजा व रुद्राभिषेक से सभी नकारात्मक प्रभाव दूर हो जाते हैं। महाशिवरात्रि के दिन अगर रुद्राक्ष को ही धारण किया जाए या फिर उसकी पूजा की गई जाए तो सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का अंतिम स्नान भी है। इस दिन रामनगरी में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। आचार्य राकेश तिवारी ने कहा कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। व्रत रखने वाले लोगों को भगवान शिव–पार्वती की आराधना करने से विशेष कृपा मिलती है। इसदिन पवित्र नदियों में स्नान और दान करने के साथ भगवान शिव को आक के पुष्प, बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, घी, गंगा जल अर्पण करने से श्रद्धालुओं का भाग्योदय होता है। शिव विवाह का आयोजन भी इस दिन धूमधाम से होगा। महाशिवरात्रि के दिन शिव चालीसा पाठ, रात्रि जागरण कर भजन–कीर्तन से भी भगवान की कृपा बरसती है।

आचार्य प्रवीण शर्मा ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन सूर्य, बुध और शनि की युति बन रही है, इससे त्रिग्रही योग बन रहा है। यह योग सफलता और समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन शिव योग और सिद्ध योग भी बन रहा है। इन योगों में की गई पूजा से मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं। भोले शंकर की पूजा अगर केवल जल, अक्षत और बिल्वपत्र से भी की जाए तो भी भोले शिवशंकर प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए उन्हें भोले बाबा कहा जाता है। इस व्रत को करने से महादेव की कृपा जीवन भर बनी रहती है और अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। महाशिवरात्रि पर्व पर महाकुंभ के अंतिम अमृत स्नान के बाद अयोध्या में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आरपीएफ ने अयोध्या धाम जंक्शन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। प्लेटफार्म पर प्रवेश के सभी मार्गों पर बेरिकेडिंग कर दी है। सोमवार से श्रद्धालुओं को केवल नए भवन की गैलरी से ही प्रवेश दिया जाएगा। अयोध्या धाम जंक्शन पर आने वाले भीड़ को देखते हुए, सुरक्षा के मद्देनजर स्टेशन पर 80 सशस्त्र सीमा बल के जवानों की भी तैनाती की गई है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में लिया फेरा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला जेल के सामने स्थित ग्राउंड में रविवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। इसमें बी विधान से हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। 500 से अधिक जोड़ों की शादी हुई। उन्हें तो उपहार देकर भेजा गया। इस दौरान सभी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

युवक को बेरहमी से पीटा, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के रेहरा गांव में शनिवार रात अस्पताल से घर लौट रहे युवक पर उसके सगे पाटीदार ने अन्य लोगों के साथ मिलकर लाठी डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में उसे बुरी तरीके से पीट कर लहूलुहान कर दिया। परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अक्षरा सिंह और शबाब शाबरी ने जमकर झुमाया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर विकास एवं विरासत महोत्सव में शनिवार की रात बॉलीवुड गायब शबाब शाबरी और भोजपुरी गायिका के गीतों पर लोग झूम उठे। बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम को देखने के लिए पहुंचे। पहले शबाब शाबरी ने हुड़ हुड़ दबंग, छाप लितक सब छीनी मोसे नैना लड़ईके, चप्पा चप्पा चरखा चले जैसे गीत गाकर रोमांचित कर दिया। अक्षरा सिंह ने गणपति वंदना और श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में गीत से अपने कार्यक्रम की शुरुआत की। एक के बाद एक भोजपुरी और हिंदी गीत गाकर श्रोताओं से भरे पंडाल को झूमने पर मजबूर कर दिया।

जालसाजों ने बेच डाली पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की जमीन

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की जमीन को धोखाधड़ी कर बेच दिया गया। खरीदारों ने नींव डालने के लिए खोदाई शुरू की तो केयरटेकर ने डीएम व पुलिस से शिकायत की। जिला प्रशासन ने काम रुकवाकर जमीन से जुड़े दस्तावेज की जांच शुरू कर दी है।

आलापुर तहसील क्षेत्र के रामनगर महुवर गांव के गाटा संख्या 1235 क क्षेत्रफल 0.152 हेक्टेअर दिग्विजय सिंह के नाम दर्ज है। पूर्व में जमीन उनकी मां के नाम थी। मां के निधन के बाद वरासत के लिए आवेदन करने पर 18 मई 2024 को जमीन दिग्विजय सिंह के नाम दर्ज हो गई। जमीन की वर्तमान कीमत 50 लाख के करीब है।

इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने जमीन का अधिकार पत्र मकरही रियासत के नृपेंद्र शाह के नाम पर जारी कर दिया। हालांकि अधिकार पत्र अभिलेख में दर्ज नहीं है। शुक्रवार को नींव के लिए मिट्टी खोदी जाने लगी तो केयरटेकर अनिल यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

अनिल के अनुसार हंसवर के ग्राम क्वेटला निवासी रामहरक चौहान ने 1989 में मुख्तार ए आम दिग्विजय सिंह बनकर जमीन को जियालाल, राजबहादुर पुत्रगण शिव प्रसाद व मंगली पुत्र मद्घू निवासी रामनगर महुवर के नाम बैनामा कर दिया था। अब खरीदारों ने जमीन पर निर्माण कराने की कोशिश की है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 153/2018
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अंगद कुमार
बनाम
संजय प्रताप ओझा आदि

2. इन्द्रजीत उम्र लगभग 75 वर्ष पुत्र भगवानदास साकिन समौड़ा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. गंगाराम उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र राम गोपाल 4. रामशंकर उम्र लगभग 60 वर्ष 5. वीरेन्द्र कुमार पुत्रगण शेषमणि साकिनान खैरी ओझा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

6. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सचिव यूनियन बैंक आफ इण्डिया नई दिल्ली –प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 07–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रयागराज के लिए रवाना हुआ 52 चिकित्सकों का दल

संवाददाता–गोरखपुर। माघ खत्म होने के बावजूद प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का क्रेज खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। रविवार को आईएमए का 52 सदस्यीय दल स्वच्छता का संदेश देने, कुंभ स्नान और सेवा देने के लिए प्रयागराज रवाना हुआ। चिकित्सकों के दल का नेतृत्व आईएमए सचिव डॉ वाई सिंह ने किया। डॉ. वाई सिंह ने बताया यह दल वहां पहुंचकर आम जनमानस के बीच जागरूकता अभियान चलाएगा। अपनी सेवाएं भी देगा। प्रशासन की तरफ से भी इस यात्रा को सुगम बनाने के लिए पास और विशेष दिशा–निर्देश भी जारी किया गया है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरपी शुक्ला, डॉ. अमरेश सिंह व डॉ. दिनेश चंद्रा कर रहे हैं। चिकित्सकों के इस दल में डॉ. एस सोम, डॉ. धर्मेंद्र राय, डॉ. सौरभ पांडेय, डॉ. प्रियंका राय, डॉ. सी राय, डॉ. दीपक मोदी, डॉ. अश्विनी अग्रवाल, डॉ. रीता मिश्रा, डॉ. प्रभात अग्रवाल, डॉ. आरएस गोयल, डॉ. एपी शाही, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. वीरेंद्र गुप्ता, डॉ. अर्चना शाही, डॉ. प्रतिभा जायसवाल, डॉ. स्वीटी राय, डॉ. शशांक गोयल व डॉ. आनंद खन्ना में शामिल हैं।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर।। कैंट पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान कृष्णा नगर प्राइवेट कॉलोनी पंकज चौहान और सिद्धार्थनगर के शिवनगर के कठोलवा निवासी मोहम्मद उस्मान के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपित के पास से चोरी की बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किया है।

न शिक्षा पर जोर और न ही योजनाओं का सहारा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बालश्रम रोकने के लिए जिला श्रम प्रवर्तन कार्यालय एक वर्ष में 60 बच्चों को मुक्त कराने का दावा तो करता है, लेकिन इसके बाद भी नतीजा शून्य ही रहता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चे तेजी से बाल मजदूरी करने को मजबूर हो रहे हैं। अभियान भी चलते हैं, लेकिन वह भी महज औपचारिकता भर ही रहता है। कागजों पर अधिक अभियान चलता है। शासन के तमाम दिशा निर्देश के बाद भी जिले में बालश्रम रोकने के लिए विभाग तनिक भी गंभीर नहीं हो रहा है। बीते कुछ वर्षों में बालश्रम जैसी कुप्रथा जिले में तेजी से फैल रही है। बस स्टेशन व रेलवे स्टेशन के अलावा प्रमुख चौराहों पर आसानी से छोटे छोटे बच्चे भीख मांगते हुए नजर आ जाते हैं। ईंट भट्ठों के साथ ही होटलों व ढाबों पर भी बच्चे काम करते रहते हैं। शिकायतें समय समय पर जिम्मेदारों से होती हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। विभाग के पास कोई ऐसा बजट भी नहीं है, जिससे ईंट भट्ठों पर काम करने वाले परिवार के बच्चों को स्कूल तक पहुंचाया जा सके। उन्हें तेज ठंडक से बचने के लिए गर्म कपड़े उपलब्ध कराए जा सकें। कॉपी किताब उपलब्ध कराई जा सके। यदि समय समय पर ईंट भट्ठों के संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें ही इस संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए जाएं, तो काफी हद तक बालश्रम पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसके अलावा सबसे ज्यादा वह बच्चे काम करते नजर आते हैं, जिनके परिवार किसी अन्य जनपद व राज्य से पलायन कर जिले में आते हैं। ऐसे परिवार ज्यादातर ईंट भट्ठों पर ही काम करते हैं।

बालश्रम रोकने के लिए कानून तो बना है, लेकिन उसका सख्ती से जिले में कहीं भी पालन नहीं किया जाता है। कार्रवाई के नाम पर महज औपचारिकता ही निभाई जाती है। अभियान चलाकर बाल मजदूरों को मुक्त तो करा लिया जाता है, लेकिन उनसे मजदूरी कराने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की जाती।

समाज में फैली बालश्रम जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए जिम्मेदार गंभीर नहीं हो रहे हैं। बालश्रम कानून तो बना है, लेकिन इसका सख्ती से पालन कराने के लिए जिम्मेदार कोई कदम नहीं उठा रहे। समय समय पर अभियान तो चलता है और बाल मजदूरों को मुक्त भी करा लिया जाता है, लेकिन उनसे काम कराने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती। इससे ऐसा करने वालों के हौसले बुलंद होते हैं और धड़ल्ले से बाल मजदूरी कराते हैं। दरअसल ऐसा करने वालों को आर्थिक लाभ मिलता है। उन्हें बाल मजदूरों को अधिक मजदूरी नहीं देनी पड़ती है। काम अधिक लेते हैं और मजदूरी कम देते हैं। मंगेश कुमार, लालजी, सुरेंद्र कुमार व शीतला प्रसाद कहते हैं कि यदि बाल मजदूरी कराने वालों से सख्ती से निपटा जाए, तो काफी हद तक बालश्रम पर अंकुश पाया जा सकता है। इसके लिए जिम्मेदारों को गंभीरता दिखानी होगी। जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक बालश्रम पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगाया जा सकेगा। अकबरपुर समेत जिले के सभी क्षेत्रों में स्थित प्रमुख सड़कों पर ऐसे ई रिक्शा दौड़ते दिख जाते हैं, जिसे किशोर चलाते रहते हैं। ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई की सुध यातायात पुलिस को नहीं है। यदि यातायात पुलिस ही इस पर अंकुश लगा दे, तो काफी हद तक बालश्रम पर अंकुश लगाया जा सकता है।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com